MPSE 008

State Politics in India.

IMPORTANT QUESTIONS

Answers in Hindi and English both

PART-6

Link of other parts in given in description or in pinned comment….

Cooperative Movements in India

Scholarly Minds

Cooperative movements in India have played a significant role in the socio-economic development of the country. These movements aim to empower people through collective efforts and democratic management. Below are some key aspects and examples of cooperative movements in India:

Early Beginnings

The cooperative movement in India began in the early 20th century, primarily to address issues of agricultural credit and rural development. The first cooperative societies were established under the Cooperative Credit Societies Act of 1904.

सहकारी आंदोलन की शुरुआत 20वीं सदी की शुरुआत में हुई, मुख्यतः कृषि ऋण और ग्रामीण विकास के मुद्दों को सुलझाने के लिए। पहली सहकारी समितियाँ 1904 के सहकारी ऋण समितियाँ अधिनियम के तहत स्थापित की गईं।

Agricultural Cooperatives

Agricultural cooperatives have been crucial in improving the livelihoods of farmers. They provide services such as credit, supply of agricultural inputs, marketing of produce, and dissemination of new farming techniques. The Green Revolution in India saw a significant boost from these cooperatives.

कृषि सहकारी समितियाँ किसानों की आजीविका में सुधार के लिए महत्वपूर्ण रही हैं। वे ऋण, कृषि सामग्री की आपूर्ति, उत्पाद की मार्केटिंग और नई कृषि तकनीकों के प्रसार जैसी सेवाएँ प्रदान करती हैं। भारत में हरित क्रांति को इन सहकारी समितियों से महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला।

Scholarly Minds

Dairy Cooperatives

The dairy cooperative movement, led by the National Dairy Development Board (NDDB), has transformed the dairy industry in India. The most notable example is Amul, which has become a model for cooperative success worldwide. Dairy cooperatives have helped millions of farmers increase their incomes through efficient milk production and marketing.

डेयरी सहकारी आंदोलन, जो राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) के नेतृत्व में है, ने भारत में डेयरी उद्योग को बदल दिया है। सबसे उल्लेखनीय उदाहरण अमूल है, जो विश्वभर में सहकारी सफलता का एक मॉडल बन गया है। डेयरी सहकारी समितियों ने लाखों किसानों को कुशल दुग्ध उत्पादन और विपणन के माध्यम से अपनी आय बढ़ाने में मदद की है।

Credit Cooperatives

Credit cooperatives provide financial services to their members, particularly in rural areas. These cooperatives include primary agricultural credit societies (PACS), which offer short-term and medium-term loans to farmers, helping them meet their financial needs and reduce dependence on moneylenders.

क्रेडिट सहकारी समितियाँ अपने सदस्यों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, वित्तीय सेवाएँ प्रदान करती हैं। इनमें प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ (PACS) शामिल हैं, जो किसानों को अल्पकालिक और मध्यमकालिक ऋण प्रदान करती हैं, जिससे उनकी वित्तीय आवश्यकताएँ पूरी होती हैं और साहूकारों पर निर्भरता कम होती है।

Scholarly Minds

Housing Cooperatives

Housing cooperatives provide affordable housing solutions to their members. These cooperatives purchase land, develop housing projects, and allocate houses to members. They have been instrumental in providing housing for low and middle-income groups in urban areas.

आवास सहकारी समितियाँ अपने सदस्यों को सस्ती आवासीय समाधान प्रदान करती हैं। ये सहकारी समितियाँ भूमि खरीदती हैं, आवास परियोजनाओं का विकास करती हैं और सदस्यों को घर आवंटित करती हैं। शहरी क्षेत्रों में निम्न और मध्यम आय समूहों के लिए आवास प्रदान करने में वे महत्वपूर्ण रही हैं।

Worker Cooperatives

Worker cooperatives are enterprises owned and managed by their workers. These cooperatives aim to provide fair wages,

good working conditions, and democratic management. Examples include the Indian Coffee House chain, which is managed by its employees.

वर्कर सहकारी समितियाँ अपने श्रमिकों के स्वामित्व और प्रबंधन वाले उद्यम हैं। ये सहकारी समितियाँ उचित मजदूरी, अच्छे कार्य परिस्थितियाँ और लोकतांत्रिक प्रबंधन प्रदान करने का लक्ष्य रखती हैं। उदाहरण के लिए, भारतीय कॉफी हाउस श्रृंखला, जिसे इसके कर्मचारी प्रबंधित करते हैं।

Women's Cooperatives

Women's cooperatives focus on empowering women by providing them with opportunities for income generation, skill development, and collective bargaining. These cooperatives often involve activities such as handicrafts, dairy farming, and microfinance. Organizations like SEWA (Self-Employed Women's Association) play a significant role in promoting women's cooperatives.

Scholarly Minds

महिला सहकारी समितियाँ महिलाओं को आय सृजन, कौशल विकास और सामूहिक सौदेबाजी के अवसर प्रदान करके सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करती हैं। इन सहकारी समितियों में अक्सर हस्तशिल्प, डेयरी फार्मिंग और माइक्रोफाइनेंस जैसी गतिविधियाँ शामिल होती हैं। SEWA (स्व-रोजगार महिला संघ) जैसी संगठन महिला सहकारी समितियों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

Fisheries Cooperatives

Fisheries cooperatives aim to improve the socio-economic conditions of fishermen by providing them with necessary inputs, credit, and marketing facilities. These cooperatives

help in the sustainable development of the fishing industry and protect the interests of small-scale fishermen.

मत्स्य सहकारी समितियाँ मछुआरों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करने के लिए आवश्यक इनपुट, ऋण और विपणन सुविधाएँ प्रदान करती हैं। ये सहकारी समितियाँ मत्स्य उद्योग के सतत विकास में मदद करती हैं और छोटे पैमाने के मछुआरों के हितों की रक्षा करती हैं।

Factors Contributing to the Breakdown of the Congress System

The breakdown of the Congress system in India, which dominated Indian politics from independence in 1947 until the late 1960s, was influenced by several factors. Here are the key reasons that contributed to this decline:

Scholarly Minds

Internal Factors

Leadership Crisis

The death of key leaders like Jawaharlal Nehru in 1964 and Lal Bahadur Shastri in 1966 created a leadership vacuum within the Congress party. Indira Gandhi's rise to power led to internal conflicts and factionalism within the party.

नेतृत्व संकट: जवाहरलाल नेहरू (1964) और लाल बहादुर शास्त्री (1966) जैसे प्रमुख नेताओं की मृत्यु ने कांग्रेस पार्टी के भीतर नेतृत्व शून्य पैदा कर दिया। इंदिरा गांधी के सत्ता में आने से पार्टी के भीतर आंतरिक संघर्ष और गुटबाजी बढ़ गई।

Factionalism

The Congress party experienced severe factionalism, with various groups vying for power and influence. This internal strife weakened the party's cohesion and effectiveness.

गुटबाजी: कांग्रेस पार्टी को गंभीर गुटबाजी का सामना करना पड़ा, जिसमें विभिन्न समूह सत्ता और प्रभाव के लिए संघर्ष कर रहे थे। इस आंतरिक संघर्ष ने पार्टी की एकता और प्रभावशीलता को कमजोर कर दिया।

External Factors

Emergence of Regional Parties

Scholarly Minds

The rise of regional parties in states like Tamil Nadu, West Bengal, and Punjab challenged the Congress party's dominance. These parties addressed local issues more effectively and attracted significant support.

क्षेत्रीय पार्टियों का उदय: तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पंजाब जैसे राज्यों में क्षेत्रीय पार्टियों का उदय कांग्रेस पार्टी के प्रभुत्व को चुनौती देने लगा। इन पार्टियों ने स्थानीय मुद्दों को अधिक प्रभावी ढंग से संबोधित किया और महत्वपूर्ण समर्थन हासिल किया।

Economic Challenges

Economic difficulties, including inflation, unemployment, and food shortages, led to widespread dissatisfaction among the populace. The Congress party's inability to address these issues effectively eroded its support base.

आर्थिक चुनौतियाँ: मुद्रास्फीति, बेरोजगारी और खाद्य की कमी जैसी आर्थिक कठिनाइयों के कारण जनसंख्या में व्यापक असंतोष फैल गया। कांग्रेस पार्टी की इन मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने में असमर्थता ने इसके समर्थन आधार को कमजोर कर दिया।

Social Movements

Social movements, such as the Dalit movement led by B.R. Ambedkar and the rising demand for social justice, highlighted the inadequacies of the Congress party in addressing the needs of marginalized communities.

सामाजिक आंदोलन: बी.आर. अंबेडकर के नेतृत्व में दलित आंदोलन और सामाजिक न्याय की बढ़ती मांग ने हाशिए पर पड़े समुदायों की जरूरतों को पूरा करने में कांग्रेस पार्टी की अपर्याप्तताओं को उजागर किया।

Scholarly Minds

Political and Electoral Factors

1967 General Elections

The 1967 general elections marked a significant shift in Indian politics. For the first time, the Congress party lost power in several states and faced a substantial reduction in its parliamentary majority.

1967 के आम चुनाव: 1967 के आम चुनावों ने भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत दिया। पहली बार, कांग्रेस पार्टी ने कई राज्यों में सत्ता खो दी और अपनी संसदीय बहुमत में भारी कमी का सामना किया।

Alliance Politics

The formation of non-Congress coalitions, such as the Samyukta Vidhayak Dal (SVD) in various states, showcased the viability of opposition alliances in challenging Congress rule.

गठबंधन राजनीति: विभिन्न राज्यों में संयुक्त विधायक दल (SVD) जैसे गैर-कांग्रेसी गठबंधनों के गठन ने कांग्रेस शासन को चुनौती देने में विपक्षी गठबंधनों की व्यवहार्यता को प्रदर्शित किया।

Indira Gandhi's Policies

Indira Gandhi's authoritarian measures, such as the imposition of the Emergency in 1975, alienated many supporters and intensified opposition. Her centralizing tendencies and attempts to curb democratic freedoms led to widespread unrest.

Scholarly Minds

इंदिरा गांधी की नीतियाँ: इंदिरा गांधी के अधिनायकवादी कदम, जैसे 1975 में आपातकाल लागू करना, ने कई समर्थकों को अलग-थलग कर दिया और विरोध को बढ़ा दिया। उनके केंद्रीकरण की प्रवृत्तियों और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को सीमित करने के प्रयासों के कारण व्यापक अशांति फैली।

Conclusion

The breakdown of the Congress system was a complex process influenced by a combination of internal weaknesses, external challenges, socio-economic changes, and political developments. The decline paved the way for a more competitive and pluralistic political landscape in India.

कांग्रेस प्रणाली का पतन एक जटिल प्रक्रिया थी, जिसे आंतरिक कमजोरियों, बाहरी चुनौतियों, सामाजिक-आर्थिक बदलावों और राजनीतिक विकास के संयोजन से प्रभावित किया गया था। इस पतन ने भारत में एक अधिक प्रतिस्पर्धी और बहुलवादी राजनीतिक परिदृश्य के लिए मार्ग प्रशस्त किया।

DON'T FORGET TO LIKE THE VIDEO AND SUBSCRIBE CHANNEL FOR MORE CONTENT.....

Scholarly Minds